NEET
15/06/2026



# रिकॉर्ड 12 साल कार्यकाल की उपलब्धियों में एक डेंट गहरा

नरेन्द्र मोदी का सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बने रहने के रिकॉर्ड पर समर्थकों का [illegible] जारी है। साथ-साथ 12 साल की उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार आकाशवाणी और अखबारों के पहले पृष्ठ पर विज्ञापन के जरिए भी चल रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वयं नाम रखी है। सबसे बड़ी रिकॉर्ड उपलब्धि यह बताई गयी है कि नरेन्द्र मोदी प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू से तीन दिन ज्यादा समय तक प्रधानमंत्री बने रहे। नरेन्द्र मोदी से पूर्व सबसे लंबे समय तक जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री रहे। नरेन्द्र मोदी के रहते पहले प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठजोड़ सरकार के मंत्रों, नेता और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री दिल्ली स्थित भारत मंडपम् में 12 जून को जश्न उत्सव मना रहे थे।

और उसी दिन उन लाखों परिवारों में मातम और निराशा का माहौल था, जिनके बच्चों की नीट परीक्षा प्रश्न-पत्र लीक होने के कारण रद्द कर दी गयी। कथित प्रश्न-पत्र लीक खुलासे को लेकर बवाल होने के बाद सरकार ने 03 मई को हुई नीट परीक्षा रद्द कर दी और फिर से परीक्षा की तारीख 21 जून घोषित कर दी। परीक्षा रद्द होने का सदमा कई छात्र सह नहीं पाए और देश भर के पांच से ज्यादा छात्रों ने आत्महत्या कर ली। इससे प्रभावित 22.8 लाख छात्र सदमा में पड़ रहे हैं और उनमें से अधिकांश दोबारा परीक्षा देने पहुंचने की मानसिक हालत में नहीं हैं। अभिभावक, मां-पिताजी अपने बच्चों का धैर्य नहीं बंधा पा रहे हैं।

~~जैसे मोदी 2014 में पहली बार और 2024 में तीसरी बार~~
~~प्रधानमंत्री मोदी के 12~~
~~गुजरात प्रधानमंत्री बने ... वर्षों के कार्यकाल उपलब्धियों~~
~~की अखबारों में पेज विज्ञापन छपते रहे हैं। इसलिए इसके~~
~~विस्तार में हम यहां नहीं जाना। हम सिर्फ उसका जिक्र कर रहे~~
~~हैं जिसका सीधा ताल्लुक बच्चों के वर्तमान और भविष्य~~
~~से है।~~ प्रधानमंत्री और भाजपा अध्यक्ष
नितिन नवीन ने इस उपलब्धि को बार-बार उठाया है कि 25 करोड़
लोगों को गरीबी से मुक्ति मिली। प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्यम वर्ग
के लिए हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के नए अवसर बन रहे हैं जो
अब तक गरीब थे वे आज मध्यम वर्ग की श्रेणी में हैं। उनके
भविष्य का रोडमैप रखा। ~~कहते~~ रहे हैं मध्यम वर्ग के जीवन स्तर
में सुधार हुआ, गरीबी से मुक्ति पाने वाले परिवारों के
बच्चे मध्य और उच्च आय वर्ग वालों जैसे सपने देखने लगे।
लेकिन ऐसे बच्चों का सपना लगातार चूर-चूर हो रहा है
पैसे से प्रश्न पत्र लीक होने और अमीरों के बच्चों का भविष्य
संवारने के लिए साधारण परिवारों के बच्चों का भविष्य
चौपट किया जा रहा है। 2014 के बाद से 89 विभिन्न परीक्षाओं
के प्रश्न-पत्र अब तक लीक हुए हैं और ~~यह सिलसिला रुक~~
नहीं रहा है। ~~(NEET) राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा~~
→ नीट-यूजी 2024 परीक्षा इतिहास का रिकार्ड
सबसे बड़ा घोटाला साबित हुआ। मतदान के थोड़े समय बाद ही
चारों तरफ हंगामा हो गया कि बिहार और झारखंड में प्रश्न-पत्र लीक
हुए। बिहार पुलिस ने धरपकड़ अभियान चलाया, कुछ लोग गिरफ्तार हुए।

नरेंद्र मोदी 2014 में पहली बार और 2024 में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। 

जून 2026 में 12 साल के ऐतिहासिक रिकॉर्ड उत्सव के समय नीट-यूजी-2026 पेपर के विवाद में आने से पहले 2017 पेपर का बोध लेते हैं, जिससे पेपर लीक होने से हंगामा हुआ था। 2017 का कर्मचारी चयन आयोग (एस एस सी - स्टाफ सेलेक्शन कमीशन) परीक्षा का प्रश्न-पत्र लीक होने का मामला था। काफी समय तक पीड़ित अभ्यर्थियों का बचाव सुर्खियों में रहा। सुप्रीम कोर्ट में मामला गया। सुनवाई के बाद केंद्र सरकार की सफाई से शीर्ष कोर्ट संतुष्ट नहीं हुई और पूरी परीक्षा प्रक्रिया को ही दागी, दोषपूर्ण करार दिया। एस एस सी के दिल्ली स्थित दफ्तर के सामने युवाओं ने धरना प्रदर्शन किया। लेकिन प्रशासन ने प्रश्न-पत्र लीक को स्थानीय स्तर पर कुप्रबंधन कहकर पल्ला झाड़ लिया और दोबारा परीक्षा का निर्णय किया। लेकिन केंद्र सरकार न तो चेती, न ही युवाओं के कैरियर से धोखेबाजी करनेवाली केंद्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA नेशनल टेस्ट एजेंसी) पर कोई अंकुश लगाया। काश 2017 में ही केंद्र सरकार ने एस एस सी की लापरवाही से सीख ली और किसी थर्ड पार्टी निजी एजेंसी से परीक्षा प्रक्रिया की मॉनीटरिंग का सिलसिला शुरू किया जाता तो शायद 2024 और 2026 में उससे भी बड़े पेपर घोटाले नहीं होते। (जून 2026 में जब सिर से ऊपर से पानी गुजर गया तब जाकर केंद्र ने सबक ली और NEET (यूजी) पेपर लीक के मद्देनजर रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को कहना पड़ा कि रेलवे भर्ती परीक्षाओं के लिए आउटसोर्सिंग एजेंसियों पर निर्भरता समाप्त की जा रही है।

यह बात रेलमंत्री के 12 जून के प्रश्न के प्रकाशित होने के बाद 13 जून को (4)
कही। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी परीक्षा आयोजित करनेवाली
रेलवे अब अपना खुद का परीक्षा तंत्र स्थापित करेगा, जिसके तहत
रेलवे के अंदर ही एक स्वायत्त परीक्षा विंग बनायी जा रही है।
अश्विनी वैष्णव के अनुसार इस योजना में प्रश्नपत्र किसी कमर्शियल
इंटरनेट या क्लाउड सर्वर पर अपलोड नहीं होगा। परीक्षा शुरू होने
से पांच मिनट पहले रेलवे के इनक्रिप्टेड रेलनेट ऑप्टिकल फाइबर
केबल नेटवर्क के जरिए सीधे परीक्षा केंद्र में रखे मास्टर हब
और वहां से अभ्यर्थी के टैबलेट पर भेजा जा सकेगा,
ताकि पेपर लीक न हो पाये। नरेंद्र मोदी 4,398 दिन (12 साल
14 दिन) तक लगातार देश का नेतृत्व संभालनेवाले पहले प्रधानमंत्री
12 जून को साबित हुए। एक तरफ जश्न मनाया जा रहा था,
और दूसरी तरफ केंद्रीय गृह सचिव तथा कैबिनेट सचिव 4 जून से
सोमवार शनिवारी नीट-यूजी परीक्षा के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा
इंतजाम में जुटे थे। कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन ने नीट-यूजी
परीक्षा तैयारी की समीक्षा के बाद 12 जून को ही कहा कि उच्चस्तरीय
सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। ऐसी चाक चौबंद परीक्षा पहली बार हो
रही है, जिसमें प्रश्न-पत्र वायु सेना के विमान से 18 लोकेशन तक और
फिर सेना तथा अर्द्धसैनिक बलों की गाड़ियों से कड़ी सुरक्षा के बीच
परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाए जाएंगे। नेशनल
एलिजिबिलिटी टेस्ट (NEET- नीट- राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता परीक्षा)
सेना के जरिए कराये जा रहे काम रिकार्ड तो उल्लेखनीय है
पेपर लीक के बाद 14 जून को पुनर्परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी किए गए